

ये अव्यक्त इशारे
कर्मयोगी बनो

30-06-2024

जैसे शारीरिक व्याधि कर्म भोग अपनी तरफ बार-बार खींचता है, दर्द होता है तो खींचता है ना। तो कहते हो क्या करें, वैसे तो ठीक है लेकिन कर्मभोग कड़ा है। ऐसे कोई भी विशेष पुराना संस्कार वा स्वभाव वा आदत अपने तरफ खींचती है तो वह भी कर्म भोग हो गया। कोई भी कर्मभोग, कर्मयोगी नहीं बना सकेगा, इसलिए बार-बार अशरीरी पन की ड्रिल करते शरीर के भान को छोड़ते जाओ।

Be a karma yogi.

Just as physical illness of the body and the suffering of karma repeatedly pulls you towards itself, when you have pain, it pulls you. Then you say, “What can I do? I am otherwise fine, but there is severe suffering of karma.” In this way, there is a particular old sanskar, nature or habit that pulls you towards itself, so that too is the suffering of karma. No suffering of karma will enable you to become a karma yogi. Therefore, repeatedly perform the drill of being bodiless and continue to forget the awareness of the body.